यूपीईएस छात्रों का ऊर्जा समाधानों को सशक्त बनाने को गेम-चेंजिंग इनोवेशन

देहरादून, 1 अप्रैल (नेवादय टाइम्स): आज की हाई-टेक दुनिया में इनोवेशन केवल एक अवधारणा नहीं बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। अपने मूल में इनोवेशन के साथ, यूपीईएस के छात्र, उत्कृष्टता/एक्सीलेंस के जुनून और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता/कमिटमेंट से प्रेरित होकर, लगातार ज्ञान और इंजीनियरिंग की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

ऐसी ही एक अभूतपूर्व परियोजना बी.टेक की पढ़ाई कर रहे मेहनती छात्रों के एक समूह की ओर से आई है जिसमे एप्लाइड पेट्रोलियम इंजीनियरिंग-गैस, जिसमे - इथेनॉल मिश्रण के साथ फ्लेक्स ईंधन का निर्माण से ईंधन के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के मिशन पर शुरुआत की। पुष्पेंदु सिन्हा, ऋषभ

किंगर, सिद्धार्थ राज, विवेक नेगी और वरुण सिंह कुशवाह के नेतृत्व में इस दूरदर्शी परियोजना का उद्देश्य 'फ्लेक्स फ्यूल' विकसित करना है, जो एक बहुमुखी समाधान है जो पारंपरिक गैसोलीन के साथ इथेनॉल की शक्ति को जोड़ता है। टीम ने अलग-अलग अनुपात में गैसोलीन के साथ इथेनॉल को मिश्रित करके सावधानीपूर्वक फ्लेक्स फ्यूल के चार ग्रेड - E10, E20, E30 और E40 तैयार किए। E10 में 10 प्रतिशत इथेनॉल और 90 प्रतिशत गैसोलीन होता है, जबकि E20, E30 और E40 में गैसोलीन के साथ-साथ इथेनॉल सांद्रता बढ़ती है।

इथेनॉल सम्मिश्रण के कुछ लाभः

पर्यावरणीय स्थिरताः मकई या गन्ना जैसे नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त इथेनॉल पारंपरिक गैसोलीन की तुलना में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफी कम कर देता है। ईंधन मिश्रण में इथेनॉल को एकीकृत करके, हमारी परियोजना स्वच्छ दहन को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान देती है।

ऊर्जा सुरक्षाः फ्लेक्स फ्यूल एक विविध ऊर्जा स्रोत प्रदान करता है, जो जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाता है। इथेनॉल सम्मिश्रण आयातित तेल पर निर्भरता कम करता है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा लचीलापन और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

आर्थिक लाभः इथेनॉल उत्पादन किसानों के लिए नए राजस्व स्रोत बनाकर और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, फ्लेक्स फ्यूल उपभोक्ताओं को अधिक ईंधन विकल्प और संभावित लागत बचत, बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता और आर्थिक समृद्धि प्रदान करता है।